Code - 11

विषय : हिन्दी साहित्य

निर्धारित समय : 3 घंटे मात्र

कुल अंक : 150 अंक मात्र

नोट : केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिये। खण्ड 'एक' और 'दो' से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंतिम खण्ड 'तीन' अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक सामने दिए हुए है।

खण्ड : एक

1. हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में अवधी का योगदान क्या है? विचार कीजिए। (30)
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल विभिन्न काव्यरुपों के उदय का काल है। इस कथन को ध्यान में रखकर आदिकाल के विभिन्न काव्यरुपों की विशेषताओं का विवेचन कीजिए। (30)
3. हिन्दी साहित्य में 1857 के संघर्ष का महत्व क्या है? हिन्दी की विभिन्न बोलियों में रचित साहित्य को ध्यान में रखकर विचार कीजिए। (30)
4. भारतीय स्वाधीनता आंदोलन से छायावादी काव्य के संबंध की समीक्षा कीजिए (30)
5. हिन्दी की पाँच कहानियों की सूची बनाएँ और उनमें से किसी एक कहानी का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। (30)

खण्ड : दो

6. भक्ति-काव्य के निर्माण में कबीर अथवा जायसी की भूमिका का विवेचन कीजिए (30)
7. हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा में मैथिलीशरण गुप्त का महत्व क्या है? विचार कीजिए। (30)
8. हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचंद अथवा यशपाल के योगदान का मूल्यांकन कीजिए। (30)
9. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि पर विचार कीजिए। (30)

10. स्वाधीनता के बाद के हिन्दी नाटक और रंगमंच के विकास का मूल्यांकन कीजिए। (30)

खण्ड : तीन

11. निम्नलिखित में से किन्ही दो विषयों पर टिप्पणी लिखिये: (10X2=20)

(क) रासो साहित्य की भाषा।

(ख) राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिन्दी का विकास।

(ग) उपन्यास और यथार्थवाद।

(घ) नयी आलोचना।

(ङ) फणीश्वर नाथ रेणु।

12. निम्नलिखित के कथन और शिल्प का विवेचन कीजिए: (10)

वह संसार के सुख-दुख का अनुभव करता है। अनुभूति और विचार ही उसकी शक्ति है। उस अनुभूति का ही आदान-प्रदान वह देवी से कर सकता है। वह संसार से धूल-धूसरित मार्ग का पथिक है।..........वह नश्वर जीवन में संतोष की अनुमति दे सकता है।

अथवा

दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद,
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद।
चमक उठी घर भर की आँखे कई दिनों के बाद,
कौए ने खुजलाई पाँखे कई दिनों के बाद।